

उपाबंध-X

(अध्याय 5, पैरा 5.13)

विधि और न्याय मंत्रालय

(विधायी विभाग)

नई दिल्ली, 1 अगस्त 2012

का.आ. 1732 (अ). --केन्द्रीय सरकार, लोक प्रतिनिधित्व अधिनियम, 1951 (1951 का 43) की धारा 169 द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुये निर्वाचन आयोग से परामर्श करने के पश्चात निर्वाचनों का संचालन नियम, 1961 का और संशोधन करने के निम्नलिखित नियम बनाती है, अर्थात् :-

- (1) इन नियमों का संक्षिप्त नाम निर्वाचनों का संचालन (संशोधन) नियम, 2012 है.
(2) ये राजपत्र में उनके प्रकाशन की तारीख को प्रवृत्त होंगे
- निर्वाचनों का संचालन नियम, 1961 के प्रारूप 26 और उससे संबंधित प्रविष्टियों को स्थान पर निम्नलिखित प्रारूप और प्रविष्टियां रखी जाएंगी, अर्थात् :-

“प्रारूप 26”
(नियम 4क देखिए)



२७ कोलारस (मह्यप्रदेश)

निर्वाचन क्षेत्र से

(निर्वाचन क्षेत्र का नाम)

विधानसभा

.....(सदन का नाम) के लिये निर्वाचन के लिये रिटर्निंग ऑफिसर के

समक्ष अभ्यर्थी द्वारा प्रस्तुत किया जाने वाला शपथ पत्र

भाग क

मैं, अफजल २/१८ **पुत्र/पुत्री/पत्नी हशमुद्दीन साह आयु २६ वर्ष, जो शाफक पोस्ट प्लॉट

(डांक का पूरा पता लिखें) का/की निवासी हूँ और उपरोक्त निर्वाचन से अभ्यर्थी हूँ, सत्य निष्ठा से प्रतिज्ञा करता हूँ/करती हूँ, शपथ पर निम्नलिखित कथन करता हूँ/करती हूँ :-

(1) मैं स्वतंत्र अभ्यर्थी (*राजनैतिक दल का नाम) द्वारा खड़ा किया

गया अभ्यर्थी/**एक स्वतंत्र अभ्यर्थी के रूप में लड़ रहा हूँ।

(*जो लागू न हो उसे काट दें)

अफजल

अफजल

मेरा नाम 87 कोलारस (म.ए.प.स.) (निर्वाचन क्षेत्र और राज्य का नाम) में
भाग संख्या 206 के क्रम सं. 889 पर प्रविष्टि है।
(3) मेरा सम्पर्क टेलीफोन नंबर 9584505359 है/हैं और मेरा ई-मेल आईडी (यदि कोई हो तो)
889 है।

(4) स्थाई लेखा संख्याक (पैन) के ब्यौरे और आय-कर विवरणी फाइल करने की प्रास्थिति :

क्रम संख्या	नाम	पैन	वित्तीय वर्ष जिसके लिये अंतिम आयकर विवरणी फाइल की गई है	आयकर विवरणी में उपदर्शित कुल आय (रूपये में)
1	स्वयं अफजल शाह	ECMP57005B	लागू नहीं होता	लागू नहीं होता
2	पत्नी या पत्नी कुवना	लागू नहीं होता	लागू नहीं होता	लागू नहीं होता
3	आश्रित-1 आफरीन	लागू नहीं होता	लागू नहीं होता	लागू नहीं होता
4	आश्रित-2 अलिया	लागू नहीं होता	लागू नहीं होता	लागू नहीं होता
5	आश्रित-3			

(5) मैं ऐसे किसी लंबित मामले में दो वर्ष या अधिक के कारावास से दंडनीय किसी अपराध (अपराधों) का/की अभियुक्त नहीं हूँ जिसमें सक्षम अधिकारिता वाले न्यायालय द्वारा आरोप विरचित किया गया है/किये गये हैं।

यदि अभिसाक्षी ऐसे किसी अपराध (अपराधों) का/की अभियुक्त है तो वह निम्नलिखित जानकारी प्रस्तुत करेगा/करेगी :-

(i) निम्नलिखित मामला (मामले) मेरे विरुद्ध लंबित है जिसमें दो वर्ष या अधिक के कारावास से दंडनीय किसी अपराध के लिये न्यायालय द्वारा आरोप विरचित किया गया है/किये गये हैं।

(क)	मामला/प्रथम सूचना रिपोर्ट संख्या/संख्याओं सहित संबंधित पुलिस थाना/जिला/राज्य के पूर्ण ब्यौरे	88/11 थाना - रन्नोड जिला - शिवपुरी
(ख)	संबंधित अधिनियम (अधिनियमों) की धारा (धारायें) और अपराध (अपराधों) का संक्षिप्त विवरण जिसके (जिनके) लिये आरोपित किया गया है।	323, 324, 34 IPC
(ग)	न्यायालय का नाम, मामला संख्या और संज्ञान लेने के आदेश की तारीख।	JMFC कोलारस 870/11 इ.फ.क. 06-07-2011
(घ)	न्यायालय, जिसके (जिनके) द्वारा आरोप (आरोपों) की विरचना की गई।	JMFC कोलारस
(ड.)	तारीख (तारीखें) जिनको आरोप विरचित किए गये थे	02-04-2014
(च)	क्या सभी या कोई कार्यवाही किसी सक्षम अधिकारिता वाले न्यायालय द्वारा रोकी गई है/हैं।	नहीं

अफजल शाह

निम्नलिखित मामला (मामले) मेरे विरुद्ध लंबित है/हैं जिनमें न्यायालय द्वारा संज्ञान लिया गया है (पूर्वोक्त मद

(i) में वर्णित मामलों से भिन्न) :-

(क)	न्यायालय का नाम, मामला संख्या और संज्ञान लेने के आदेश की तारीख।	लागू नहीं
(ख)	उन मामलों के ब्यौरे जहां न्यायालय ने संज्ञान लिया है, अधिनियम (अधिनियमों) की धारा (धारायें) और अपराध (अपराधों) का संक्षिप्त विवरण जिसके (जिनके) लिये संज्ञान लिया गया है।	लागू नहीं
(ग)	पूर्वोक्त आदेश (आदेशों) के विरुद्ध पुनरीक्षण के लिये फाइल की गई अपील (अपीलों)/आवेदन (आवेदनों) (यदि कोई हों) के ब्यौरे	लागू नहीं

(6) मुझे किसी अपराध (अपराधों) (लोक प्रतिनिधित्व अधिनियम, 1951 (1951 का 43) की धारा 8 उपधारा (1) या उपधारा (2) में निर्दिष्ट या उपधारा (3) के अन्तर्गत आने वाले किसी अपराध (अपराधों) से भिन्न, के लिये सिद्धदोष ठहराया गया है/नहीं ठहराया गया है और एक वर्ष से अधिक के लिये कारावास का दंडादेश दिया गया है/नहीं दिया है :

यदि अभिसाक्षी उपर्युक्त रूप से सिद्धदोष ठहराया गया और दंडादिष्ट किया गया है तो वह निम्नलिखित जानकारी प्रस्तुत करेगा :

निम्नलिखित मामलों में मुझे सिद्धदोष ठहराया गया है और न्यायालय द्वारा कारावास का दंडादेश दिया गया है:

(क)	उन मामलों के ब्यौरे जहां न्यायालय ने संज्ञान लिया है, अधिनियम (अधिनियमों) की धारा (धारायें) और अपराध (अपराधों) का संक्षिप्त विवरण जिसके (जिनके) लिये संज्ञान लिया गया है।	J.M.F.C कोमरम 323,324, 34 9PC मारपीट
(ख)	न्यायालय का नाम, मामला संख्या और संज्ञान लेने के आदेश (आदेश)की तारीख।	J.M.F.C कोमरम 870/11 E को. 06-07-2011
(ग)	अधिरोपित दंड	अपील दंड 700/रूपरे धारा 323 9PC
(घ)	क्या सिद्धदोष ठहराने के आदेश के विरुद्ध कोई अपील फाइल की गई थी/है। यदि हां, तो अपील के ब्यौरे और वर्तमान प्रास्थिति।	नहीं

(7) मैं, मेरे, मेरे पति या पत्नी और सभी आश्रितों की आस्तियों (जंगल और स्थावर आदि) के ब्यौरे नीचे देता हूँ :-

अ. जंगम आस्तियों के ब्यौरे :

टिप्पण 1- संयुक्त स्वामित्व की सीमा को उपदर्शित करते हुये संयुक्त नाम में आस्तियों का भी विवरण दिया जाना है।

मामला

